



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 126]
No. 126]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 27, 2009/चैत्र 6, 1931
NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 27, 2009/CHAITRA 6, 1931

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महाविभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 मार्च, 2009

अंतिम जांच परिणाम

विषय : चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित मेजरिंग टेप्स के आयात से संबंधित मामले में निर्णायक पाटनरोधी समीक्षा ।

सं. 15/2/2008-डीजीएडी.—1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियम कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए:

क. मामले की पृष्ठभूमि

1. 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 90 के उपशीर्ष सं. 9017.80 तथा 9017.90 के अंतर्गत वर्गीकृत, चीन जन. गण. (जिन्हें एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित मेजरिंग टेप्स (जिन्हें एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) पर अंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की थी। दिनांक 31-1-2003 की अधिसूचना सं. 14/31/2002-डीजीएडी के जरिए प्रारंभिक जांच परिणाम प्रकाशित किए गए थे और 2003 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 65/2003-सीमाशुल्क द्वारा संबद्ध वस्तु पर अंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था। प्राधिकारी के अंतिम जांच परिणाम दिनांक 1-9-2003 की अधिसूचना सं. 14/31/2002-डीजीएडी द्वारा अधिसूचित किए गए थे और राजस्व विभाग की दिनांक 7-10-2003 की अधिसूचना सं. 147/2003 द्वारा निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था ।

2. घरेलू उद्योग में. एफ एम आई लि., लुधियाना तथा मै. फ्रीमैन्स मेजर्स प्रा. लि., लुधियाना से इस आशय का अनुरोध प्राप्त होने पर निर्दिष्ट प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित मेजरिंग टेप्स के आयातों पर अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जांच शुरू की थी। यह अनुरोध इस पृष्ठभूमि पर आधारित था कि उपायों के समाप्त हो जाने से पाटन

और/या घरेलू उद्योग की क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है। याचिकाकर्ता ने प्रथम दृष्टया साक्ष्यों के साथ यह दावा किया कि इन देशों की संबद्ध वस्तु पर अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क के समाप्त होने से पाटन एवं क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति की संभावना है और उन्होंने संबद्ध देश की संबद्ध वस्तु पर अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क को अगले पांच वर्षों के लिए जारी रखने तथा उसमें बढ़ोतरी करने का अनुरोध किया है।

3. समीक्षा की आवश्यकता को प्रमाणित करते हुए घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सकारात्मक साक्ष्यों के आधार पर स्वयं को संतुष्ट करने के बाद निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित पाटनरोधी अधिनियम की धारा 9 (5) के अनुसार इस बात की जांच करने के लिए कि क्या शुल्क समाप्त किए जाने से पाटन और/अथवा क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, 31.3.2008 की अधिसूचना सं. 15/2/2008-डीजीएडी द्वारा उक्त उपाय के विरुद्ध निर्णायक समीक्षा संबंधी कार्यवाही शुरू की थी।

ख. प्रक्रिया

4. इन कार्रवाईयों में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है:

- (i) समीक्षा शुरू करने के बाद प्राधिकारी ने प्रश्नावली का उत्तर और आवश्यक सूचना मांगने के लिए नियम 6(4) के अनुसार घरेलू उद्योग, संबद्ध देश में ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों तथा ज्ञात आयातकों को सूचना भेजी;
- (ii) नई दिल्ली स्थित संबद्ध देश के दूतावास को नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरुआत करने के बारे में सूचना दी गई और उनसे यह अनुरोध किया गया कि वह अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली का जवाब निर्धारित समय के भीतर देने की सलाह दें;
- (iii) प्राधिकारी ने आवश्यक सूचना मांगते हुए चीन जन.गण. के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजी थीं;

- नांग्बो लैंड टूल्स एंड मेजरिंग टूल्स कं. लि., चीन
- निंग्बो होंगडी मेजरिंग टेप इंडस्ट्रीज कं., चीन
- शांक्सी मशीनरी एंड इक्विपमेंट इम्पोर्ट एक्सपोर्ट कार्पोरेशन, चीन
- शंघाई यु हुआ इंडस्ट्रीज कं. लि., चीन
- युयाओ फॉरेन ट्रेड (ग्रुप) कं. लि., चीन
- सिक्सी जुन्बाओ स्टील टेप्स कं. लि., चीन
- साइनो-यूएसए सनलाइट टेप्स इंडस्ट्रीज, चीन
- झेजियांग शिधु बुडियम ग्रेट वॉल हार्डवेयर फैक्टरी, चीन

तथापि, इनमें से किसी भी निर्यातक ने उपर्युक्त अधिसूचना की प्रतिक्रियावश प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है।

- (iv) वर्तमान समीक्षा के प्रयोजनार्थ जांच अवधि 1 अप्रैल, 2006 से 30 सितंबर, 2007 (18 महीने) तक की है। तथापि, क्षति विश्लेषण में वित्त वर्ष वर्ष 2003-04, 2004-05 और 2005-06 तथा जांच अवधि शामिल हैं।

(v) पिछले तीन वर्षों के लिए तथा जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे जुटाने के लिए वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से अनुरोध किया गया था। डीजीसीआईएंडएस से किए गए अनुरोध की सूचना प्राप्त हुई थी।

(vi) संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित घरेलू उत्पादकों ने क्षति जांच के लिए अपनी लागत एवं क्षति संबंधी सूचना प्रस्तुत की है :-

- मै. फ्रीमैन्स मेजर्स प्रा.लि., लुधियाना
- मै. एफएम आई लि. लुधियाना

(vii) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों तथा प्रयोक्ताओं को भी आयातक प्रश्नावली के साथ जांच शुरूआत अधिसूचना की प्रति भेजी गई थी :-

- लोहिया ट्रेड संसर्न, दिल्ली
- विनय ब्रदर्स, मुंबई
- वी.के.इंटरनेशनल, मुंबई
- घनश्याम दास एंड संस (वी के इंडस्ट्रीज), मुंबई
- न्यू वेव इंडस्ट्रीज, जालंधर
- अल-फहद इंटरप्राइजेज, मुंबई
- आशियान एक्सपोर्ट्स, मुंबई
- स्टर्लिंग इंटरप्राइजेज, मुंबई
- एस के इंटरप्राइजेज, मुंबई

तथापि, किसी भी आयातक या प्रयोक्ता ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।

(viii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचारों एवं अभ्यावेदनों पर उस सीमा जहां तक वे वर्तमान जांच के संगत हैं, विचार किया है।

(ix) प्राधिकारी ने निरीक्षण हेतु विभिन्न पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत समस्त साक्ष्य के अगोपनीय अंश वाली सार्वजनिक फाइल अनुरोध पर सभी हितबद्ध पक्षकारों के लिए उपलब्ध की;

(x) प्राधिकारी ने सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर हुई क्षति की जांच करने तथा उत्पादन की ईष्टतम लागत एवं भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत निकालने तथा यह निर्धारित करने के लिए कि यदि पाटन मार्जिन से कम पाटनसेधी शुल्क लगाना घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा, संभव सीमा तक घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना का सत्यापन किया;

(xi) नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने दिनांक 12 जनवरी, 2009 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में हितबद्ध पक्षकारों को अपने विचार मौखिक, रूप से प्रकट करने का अवसर

दिया । सार्वजनिक सुनवाई के पक्षकारों से मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों के लिखित अनुरोध दायर करने का अनुरोध किया गया था ।

- (xii) नियमावली के नियम 16 के अनुसार इस जांच परिणाम के लिए विचार किए गए आवश्यक तथ्यों/आधार को अब ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष प्रकट किया जा रहा है और उस पर प्राप्त उनकी टिप्पणियों पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया गया है ।
- (xiii) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की गोपनीयता संबंधी दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई है । सतुष्ट होने पर जहां कहीं भी वांछित था, वहां प्राधिकारी ने गोपनीयता प्रदान की है और ऐसी सूचना को गोपनीय मानते हुए उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष प्रकट नहीं किया गया है । जहां कहीं भी संभव था, गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करने वाले हितबद्ध पक्षकारों को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था ।
- (xiv) जहां कहीं भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच की प्रक्रिया के दौरान आवश्यक सूचना जुटाने अथवा उसे प्रस्तुत करने से मना किया है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डाली है, वहां प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर इन जांच परिणामों को दर्ज किया है ।
- (xv) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों को विचाराधीन आवश्यक तथ्य उपलब्ध कराते हुए दिनांक 20.3.2009 को एक विस्तृत प्रकटन विवरण जारी किया और उस पर प्राप्त टिप्पणियों को वर्तमान जांच परिणामों में विधिवत शामिल किया गया है ।
- (xvi) *** यह चिह्न इस अंतिम जांच परिणाम में किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमों के अनुसार उसे गोपनीय ही माना है ।

ग. विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु:

ग.1 घरेलू उद्योग के विचार

5. विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित मुद्दे उठाए गए हैं :

- (i) चूंकि वर्तमान जांच एक समीक्षा जांच है, इसलिए विचाराधीन उत्पाद मूल जांच में यथापरिभाषित उत्पाद ही है । जांच अवधि में उत्पाद में कोई विशेष विकास नहीं हुआ है ।
- (ii) घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु आयातित उत्पाद के समान है ।

- (iii) मेजरिंग टेप्स प्रायः तीन किस्म के होते हैं : स्टील टेप, फाइबर ग्लास टेप तथा मेटल वायर्ड टेप । तथापि, पाटनरोधी शुल्क के अपवंचन के लिए अलग नाम के तहत आयात किए जा रहे हैं ।
- (iv) पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण के बावजूद संबद्ध देश के उत्पादकों एवं निर्यातकों ने पाटित कीमतों पर भारत में संबद्ध वस्तु का निर्यात जारी रखा है ।
- (v) संबद्ध वस्तु के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति जारी है ।
- (vi) पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बावजूद बाजार में उत्पाद लगभग जांच अवधि के दौरान की कीमत पर और उतनी ही मात्रा में उपलब्ध है ।
- (vii) आयातकों द्वारा भारतीय उपभोक्ताओं को संबद्ध वस्तु की पेशकश बेंचमार्क से कम कीमत पर की जा रही है जिसका तात्पर्य यह है कि पाटनरोधी शुल्क का अपवंचन करके आयात किए जा रहे हैं ।
- (viii) आयातों की पहुंच कीमत को बेंचमार्क से थोड़ा अधिक रखने के लिए बीजक में आयातों की मात्रा बढ़ा कर दर्शाई जाती है ।
- (ix) चूंकि माप की निर्धारित इकाई संख्यात्मक है और बेंचमार्क भार के आधार पर है, अतः भारत को कम आंका जा रहा है जिसके परिणामस्वरूप भार आधार पर आयात कीमतों में अत्यधिक वृद्धि हुई है ।
- (x) किसी भी प्रकार की प्रवंचना से बचने के लिए प्राधिकारी द्वारा मेजरिंग टेपों के भिन्न आकारों के लिए न्यूनतम भार निर्धारित किया जाना चाहिए ।
- (xi) चीन जन.गण. को छोड़कर अन्य देशों से, जिनमें वे देश भी शामिल हैं जहां विनिर्माण सुविधाएं नहीं हैं, आयात निर्बाध रूप से जारी है ।
- (xii) पाटनरोधी शुल्क का भुगतान किए बिना भारत में "प्लास्टिक टेप सहित" मेजरिंग टेप का आयात अलग नाम से किया जा रहा है ।
- (xiii) पाटनरोधी शुल्क के अपवंचन को रोकने के लिए उत्पाद का दायरा समुचित रूप से पुनः परिभाषित किया जाना चाहिए ।

ग.2 आयातकों, उपभोक्ताओं, निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार

6. किसी भी निर्यातक, आयातक, उपभोक्ता तथा अन्य हितबद्ध पक्षों ने विचाराधीन उत्पाद तथा सदृश वस्तु के संबंध में कोई टिप्पणी अथवा अनुरोध दर्ज नहीं किया है ।

ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

7. मूल जांच तथा वर्तमान निर्णायक समीक्षा में शामिल उत्पाद "मेजरिंग टेप तथा उसके हिस्से एवं घटक" हैं । इस जांच के एक ऐसे उत्पाद की निर्णायक समीक्षा होने के मद्देनजर, जिसके लिए

शुल्क प्रहले से लागू है, विचाराधीन उत्पाद का दायरा मूल जांच में परिभाषित दायरे के समान रहेगा। प्राधिकारी का मत है कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित वस्तु तथा संबद्ध देश में विनिर्मित और निर्यातित वस्तु पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के अनुसार सदृश वस्तु हैं।

8. मौजूदा याचिका में मैजरींग टेप तथा उसके हिस्से एवं घटक विचाराधीन उत्पाद माना जाएगा जब कि इन आयातों का आशय मैजरींग टेपों का आयात है। याचिकाकर्ता ने याचिका में सूचित किया है कि मैजरींग टेप निम्नलिखित प्रकार के हो सकते हैं:-

- स्टील टेप,
- फाइबर ग्लास टेप,
- मेटल वार्यड टेप

स्टील टेप मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं :-

- पॉकेट टेप,
- पॉकेट टेप को छोड़कर

पाकेट टेप 2,3 या 5 मीटर के हो सकते हैं जबकि अन्य टेप 5 मीटर से अधिक लंबे होते हैं। बड़े टेप 10, 15, 20, 25, 30 मीटर आदि के और अलग-अलग चौड़ाई वाले हो सकते हैं। यद्यपि ये टेप मुख्यतः इन्हीं लंबाईयों के होते हैं तथापि ये अन्य लंबाईयों के भी बनाए जा सकते हैं।

9. स्टील टेप तथा फाइबर ग्लास टेप के सभी प्रकार एवं उनके हिस्से अथवा घटक जब कि इन आयातों का आशय मैजरींग टेपों का आयात है मौजूदा याचिका से संबद्ध मामला है। मेटल वार्यड टेप मौजूदा याचिका के दायरे से बाहर हैं। मेटल वार्यड टेप उच्च गुणवत्ता युक्त कॉपर की तारों से बनाए जाते हैं।

10. याचिकाकर्ता का तर्क है कि यद्यपि ऊपर उल्लिखित टेपों से इतर अन्य कोई टेप नहीं है। तथापि ऐसे आयातों के होने का दावा किया गया है जिनमें उत्पाद मौजूदा शुल्कों के दायरे के अंतर्गत शामिल नहीं हैं। अतः याचिकाकर्ताओं ने प्राधिकारी से विचाराधीन उत्पाद के दायरे को पुनः परिभाषित करने का अनुरोध किया है। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया है कि किसी भी अन्य प्रकार के टेप का उत्पादन तथा बिक्री नहीं हुई है। अतः उत्पाद विवरण और वर्तमान शुल्कों के दायरे में शामिल उत्पाद के बीच अंतर होने के किसी भी दावे को पाटनरोधी शुल्क के अपवर्जन का प्रयास समझा जाना चाहिए।

11. प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के दायरे को पुनः परिभाषित करने के याचिकाकर्ता के अनुरोध पर विचार किया। प्राधिकारी का विचार है कि निर्णायक समीक्षा के दौरान विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) को मूल जांच से अलग रूप में परिभाषित करना संभव नहीं है। निर्णायक समीक्षा के दौरान पीयूसी का दायरा मूल जांच से सदृश रहना अपेक्षित है।

12. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित मैजरींग टेप की विशेषताएं एवं विनिर्देश आयातित उत्पाद के समान हैं। विचाराधीन उत्पाद के मामले पर किसी हितबद्ध पक्ष द्वारा कोई अन्य तर्क नहीं दिया

गया है। प्राधिकारी का मत है कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद और संबद्ध देश से निर्यातित उत्पाद पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के अनुसार समान वस्तु है।

घ. घरेलू उद्योग की स्थिति एवं दायरा

घ.1 घरेलू उद्योग के विचार

13. (i) भारतीय उत्पादन में याचिकाकर्ता का प्रमुख हिस्सा है।
- (ii) आवेदन का स्पष्ट रूप से समर्थन करने वाले घरेलू उत्पादकों का घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित समान उत्पाद के कुल उत्पादन में 50% से अधिक हिस्सा है।
- (iii) यह आवेदन घरेलू उद्योग द्वारा अथवा उसकी ओर से किया गया है।
- (iv) याचिकाकर्ता नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग होने की अपेक्षा को पूरा करते हैं।
- (v) भागीदार कंपनियां पाटनरोधी नियमावली के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग का हिस्सा हैं।

घ.2 आयातकों, उपभोक्ताओं, निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार

14. किसी भी निर्यातक, आयातक, उपभोक्ता तथा अन्य हितबद्ध पक्षों ने घरेलू उद्योग होने की स्थिति के संबंध में कोई टिप्पणी अथवा अनुरोध दर्ज नहीं किया है।

ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

15. (i) यह याचिका मै. एफ एम आई लि. तथा मै. फ्रीमैन्स मैजर्स प्रा.लि. द्वारा संयुक्त रूप से दर्ज की गई थी और मै. क्लास टेप्स कंपनी, मुंबई द्वारा समर्थित थी। याचिकाकर्ताओं और समर्थकों के अलावा, भारत में मैजरींग टेपों का विनिर्माण करने की क्षमता रखने वाली दो अन्य कंपनियां हैं यथा मै. स्कानन हार्डवेयर लि., मुंबई तथा मै. एपीटी मैन्युफैक्चरर्स प्रा.लि., लुधियाना। याचिकाकर्ता और समर्थक संयुक्त रूप से नियमों के अर्थ के भीतर "घरेलू उद्योग" का हिस्सा हैं।
- (ii) मूल जांचों में एफ एम आई लि. तथा फ्रीमैन्स मैजर्स प्रा.लि. ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के सम्मुख याचिका दर्ज की थी। मौजूदा जांच में भी एफ एम आई लि. तथा फ्रीमैन्स मैजर्स प्रा.लि. ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के सम्मुख याचिका दर्ज की है। याचिकाकर्ता पाटनरोधी नियमावली के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग का हिस्सा हैं। जांच से ऐसा कोई तथ्य सामने नहीं आया है जो याचिकाकर्ताओं द्वारा किए गए दावों और सिद्ध तथ्यों के विपरीत हो। नियमावली तथा उपलब्ध सूचना को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी निर्णय देते हैं कि मौजूदा जांच के प्रयोजनार्थ एफएमआई लि. तथा फ्रीमैन्स प्रा.लि. नियमावली के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग का हिस्सा हैं।

ड. पाटन मार्जिन के परिकलन की पद्धति

(पाटन निर्धारण: सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन)

ड1. घरेलू उद्योग के विचार:

- 16.(i) संबद्ध देश से उत्पादकों तथा निर्यातकों द्वारा पाटित कीमतों पर निर्यात जारी है ।
- (ii) चीन के गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश होने के कारण भारत को सहोदर देश मानकर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया जाना चाहिए क्योंकि बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश से संबंधित सूचना उपलब्ध नहीं है ।
- (iii) पाटनरोधी शुल्क के होते हुए भी संबद्ध वस्तु का पाटन जारी है और पाटनरोधी शुल्क के प्रवंचन के जरिए आयातों की मात्रा में वृद्धि हो रही है ।
- (iv) अत्यधिक आयातों के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति जारी है ।

ड.2. निर्यातकों/आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार

17. किसी भी निर्यातक, आयातक, उपभोक्ता तथा अन्य हितबद्ध पक्षों ने सामान्य मूल्य के संबंध में कोई टिप्पणी या अनुरोध दर्ज नहीं किया है।

ड.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

18. धारा 9 (1)(ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है:

- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में सामान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उपनियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य या तो

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

19. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का आकलन करने के प्रयोजनार्थ पाटनरोधी नियमों के अनुबंध-1 के पैरा 8(2) के अनुसार इस अनुमान के आधार पर आगे की कार्यवाही की है कि जिस किसी देश को जांच से पहले के तीन वर्षों की अवधि के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा किसी डब्ल्यूटीओ सदस्य देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांचों के प्रयोजनार्थ गैर बाजार अर्थव्यवस्था निर्धारित किया गया अथवा माना गया हो वह एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। पिछले तीन वर्षों में चीन जन.गण. को ई यू एक अमरीका जैसे डब्ल्यूटीओ सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाता रहा है। वर्तमान मामले में चीन जन.गण. की जांच गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में करने का प्रस्ताव किया गया है।

20. पाटनरोधी नियम के यथासंशोधित अनुबंध-1 के पैरा-8 के अनुसार एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी परिकल्पना का खंडन किया जा सकता है यदि चीन के निर्यातक पैरा 8 के उप पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना एवं पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत कर इसके विपरीत साबित कर दें। चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तुओं के सहयोगी निर्यातक/उत्पादक को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार संबंधी प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप-पैरा (3) में उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराना अपेक्षित हो ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों के आधार पर यह विचार कर सकें कि क्या:-

- (क) ऐसे देश में कच्ची सामग्रियों प्रौद्योगिकी लागत और श्रम, उत्पादन, बिक्रियों तथा निवेश सहित कीमतों, लागतों तथा निवेशों के संबंध में संबंधित फर्म का निर्णय आपूर्ति तथा मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतों तथा इस संबंध में किसी विशिष्ट राज्य हस्तक्षेप के बिना होता है और यह कि क्या मुख्य निवेशों की लागतें वास्तविक रूप से बाजार मूल्यों को दर्शाती हैं;
- (ख) ऐसे फर्मों की उत्पादन लागतें तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उठाये गए विशिष्ट विरूपणों के अधीन होती है। खासकर ऋणों की प्रतिपूर्ति द्वारा परिसंपत्तियों के ह्रास, अन्य बड़े खाते, वस्तु विनिमय व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए तथा भुगतान के संबंध में;
- (ग) ऐसी फर्म दिवालिया तथा संपत्ति कानून के अधीन होती है जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देता है; तथा

21. प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ सभी ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली की प्रतियां भेजी हैं। किसी निर्यातक/उत्पादक ने निर्यातक की तथा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार

(एमईटी) प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। अतः गैर- बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी परिकल्पना बनी हुई है अतः प्राधिकारी चीन जन.गण. के निर्यातकों/उत्पादकों को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था में प्रचालनरत मानकर कार्यवाही कर रहे हैं।

22. उपर्युक्त के मद्देनजर, प्राधिकारी चीन के निर्यातकों हेतु सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु अनुबंध-1 के पैरा 1 से 6 में निर्धारित सिद्धांतों को लागू करने में असमर्थ है। अतः चीन जन.गण. के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में उल्लिखित गैर बाजार अर्थव्यवस्था से संबंधित नियमों के अनुसार किया गया है।

23. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार, प्राधिकारी द्वारा तीसरे देश की बाजार अर्थव्यवस्था की कीमत अथवा परिकलित मूल्य, अथवा ऐसे तीसरे देश से भारत सहित दूसरे देशों को कीमत तथा जहां ऐसा संभव न हो किसी अन्य समुचित आधार पर जिसमें समान उत्पाद हेतु भारत में वास्तव में अदा की गई अथवा देय कीमत शामिल हो। बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में सामान्य मूल्य के विषय में घरेलू उद्योग द्वारा कोई आंकड़े अथवा सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई थी। निर्यातकों/उत्पादकों ने भी इस मामले में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। अतः प्राधिकारी ने किसी अन्य विकल्प के अभाव में "किसी अन्य समुचित आधार" पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।

सामान्य मूल्य

24. इन परिस्थितियों में प्राधिकारी ने सबसे कार्यक्षम घरेलू इकाई तथा समुचित लाभ के अनुसार स्टील टेप्स तथा फाइबर टेप्स के विनिर्माण हेतु प्रमुख कच्ची सामग्री हेतु अंतर्राष्ट्रीय कीमतों, खपत की पद्धतियों तथा अन्य लागत संबंधी तत्वों पर अलग-अलग विचार करके सामान्य मूल्य का परिकलन किया है। उपर्युक्त उपलब्ध सूचना के आधार पर स्टील टेप्स तथा फाइबर ग्लास टेप्स के लिए क्रमशः *** अम.डॉ./कि.ग्रा. तथा *** अम.डॉ./कि.ग्रा. सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है।

निर्यात कीमत

25. प्राधिकारी ने डीजीसीआई एंड एस द्वारा उपलब्ध कराए गए आयात आंकड़ों की जांच की है। चूंकि इनमें उपकरण, स्टील के स्केल, ब्लेड, स्केल, गॉज असेम्बली इत्यादि जैसे अन्य प्रकार के मापक उपकरण भी शामिल हैं तथा इस प्रकार परिकलित सीआईएफ मूल्य असामान्य रूप से कम है। प्राधिकारी ने वर्ल्ड ट्रेड एटलस (डब्ल्यूटीए) स्रोत से प्राप्त आंकड़ों की भी जांच की है जिसमें यह प्रदर्शित होता है कि स्टील एवं फाइबर ग्लास मेजरिंग टेप्स को संख्या (मात्रा, न कि भार) में दर्शाया जा रहा है और पुर्जों को कि.ग्रा. (भार) में दर्शाया जा रहा है। अतः प्राधिकारी ने आईबीआईएस स्रोत से घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए सौदावार आंकड़ों को आधार मानने का निर्णय लिया है।

26. प्राधिकारी ने निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु आईबीआईएस के आंकड़ों पर विश्वास किया है। जांच अवधि के दौरान स्टील टेप्स एवं फाइबर ग्लास टेप्स हेतु भारत औसत निर्यात कीमत का सीआईएफ मूल्य क्रमशः *** अम.डॉ./कि.ग्रा. तथा *** अम.डॉ./कि.ग्रा. था। समुद्री भाड़े एवं समुद्री बीमा के आधार पर समायोजन के पश्चात स्टील टेप्स एवं फाइबर ग्लास टेप्स हेतु कारखाना द्वार निर्यात कीमत क्रमशः *** अम.डॉ./कि.ग्रा. तथा *** अम.डॉ./कि.ग्रा. परिकलित की गई है।

पाटन मार्जिन

27. उपर्युक्तानुसार निर्धारित सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के आधार पर प्राधिकारी ने निम्नानुसार पाटन मार्जिन का निर्धारण किया है :

निर्यातक/उत्पाद	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन
चीन जन.गण. के सभी निर्यातक	अम.डॉ./किग्रा..	अम.डॉ./किग्रा..	अम.डॉ./किग्रा.	%
स्टील टेप	***	***	***	275-325
फाइबर ग्लास टेप	***	***	***	625-675

ड.4.पाटन की संभावना

घरेलू उद्योग के विचार

28. (i) निर्यातक ने पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद भी अत्यधिक पाटन करना जारी रखा है। अतः यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें उत्पादक पाटनरोधी शुल्कों के लागू रहने के बावजूद काफी मात्रा में निर्यात करने में समर्थ रहे हैं। यह स्पष्ट है कि यदि वर्तमान पाटनरोधी शुल्कों को समाप्त कर दिया जाता है तो पाटन की मात्रा में और वृद्धि होगी। पाटनरोधी शुल्कों को समाप्त कर दिए जाने की स्थिति में काफी वृद्धिकारी अनुपात में पाटन के जारी रहने की संभावना है। मूल जांच के समय एवं वर्तमान समय के मानदंडों/परिस्थितियों में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। निर्यातक प्रवचन हेतु एवं पाटनरोधी शुल्क से बचने के लिए विभिन्न नाम पद्धति अपनाकर संबद्ध वस्तुओं का पाटन कर रहे हैं।

(ii) चीन में उत्पादकों ने अत्यधिक उच्च क्षमताओं का सृजन किया है।

(iii) जिस कीमत पर चीन के निर्यातकों द्वारा भारत को सामग्री का निर्यात किया जा रहा है वह भी इस बात का संकेतक है कि पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किए जाने

की स्थिति में पाटन जारी रहेगा। पहुंच कीमत पर (पाटनरोधी शुल्क से रहित), उल्लेखनीय कीमत कटौती हो रही है। अतः पाटनरोधी शुल्क समाप्त होने पर, भारतीय कीमत अत्यधिक मात्राओं का निर्यात करने हेतु विदेशी उत्पादकों के लिए काफी अनुकूल होगी।

- (iv) घरेलू उद्योग की स्थिति से यह स्पष्ट पता चलता है कि घरेलू उद्योग पाटित आयातों से होने वाली क्षति के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है। प्राधिकारी के आदेश द्वारा लागू किया गया पाटनरोधी शुल्क का चीन से आयात की मात्रा एवं बाजार हिस्से पर वर्ष 2005-08 तक काफी हद तक नियंत्रक प्रभाव रहा है। तथापि, पाटनरोधी शुल्क के अपवंचन हेतु अनेक तरीके अपनाए जा रहे हैं और आयात मात्राओं में वृद्धि हो रही है। ऐसी स्थिति में, यह स्पष्ट है कि शुल्क को समाप्त किए जाने से भारतीय बाजार में पाटित सामग्री की बाढ़ आ जाएगी।
- (v) मूल जांच के समय की परिस्थितियां अब भी मौजूद हैं जैसे कि दोनों अवधियों के पाटन मार्जिन से देखा जा सकता है। इस तथ्य पर विश्वास करने का कोई कारण नहीं है कि संबद्ध देशों के उत्पादक पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किए जाने की स्थिति में भारतीय बाजार में अत्यधिक उच्च मात्राओं की बिक्री एवं अपने बाजार हिस्से में वृद्धि क्यों नहीं करेंगे।
- (vi) चीन के उत्पादकों ने उल्लेखनीय क्षमताओं का निर्माण किया है। इसके अलावा, संबद्ध वस्तुओं के अनेक बड़े पैमाने के उत्पाद हैं जो न केवल घरेलू बाजारों में बल्कि निर्यात बाजारों में भी एक-दूसरे के साथ अत्यधिक आक्रामक ढंग से एक-दूसरे का मुकाबला कर रहे हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

29. इस बात की जांच करने के लिए कि क्या पाटनरोधी शुल्क हटाए जाने पर विचाराधीन उत्पाद का पाटन जारी रहने या उसके तेज होने की संभावना है, प्राधिकारी ने निम्नलिखित सूचना/साक्ष्य पर विचार किया है :

- (i) शुल्क लागू किए जाने के बाद भी चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तुओं का काफी कम और पाटित कीमतों पर आयात होना जारी है। मूल जांच के समय प्रचलित मापदंडों/परिस्थितियों में और वर्तमान की स्थितियों में कोई परिवर्तन नहीं आया है। इसके मद्देनजर चीन जन.गण. के उत्पादकों के पाटनरोधी शुल्क हटाए जाने की स्थिति में उत्पाद का पाटन जारी रखने की संभावना है। यह बात निम्नांकित तालिका से स्पष्ट है:

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच (अप्रैल, 2006-सितंबर, 2007)	अवधि जांच (वार्षिकीकृत)
आयातों की पहुंच कीमत						
संबद्ध देश						
स्टील टेप	रू./किग्रा.	***	***	***	***	***
फाइबर ग्लास	रू./किग्रा.	***	***	***	***	***
अन्य देश						
स्टील टेप	रू./किग्रा.	***	***	***	***	***
फाइबर ग्लास	रू./किग्रा.	***	***	***	***	***
निवल बिक्री प्राप्ति (स्टील टेप)	रू./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	100.26	95.24	96.59	96.59
निवल बिक्री प्राप्ति (फाइबर ग्लास टेप)	रू./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	98.01	94.34	100.13	100.13
क्षतिरहित कीमत(रू./किग्रा.)						
स्टील टेप	रू./किग्रा.					***
फाइबर ग्लास	रू./किग्रा.					***

- (ii) घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि चीन के उत्पादकों ने अत्यधिक क्षमताओं का सृजन किया है और यदि पाटनरोधी शुल्क हटाया जाता है तो वो इसका पाटन भारत में कर सकते हैं। परंतु याचिकाकर्ताओं ने इस संबंध में कोई समर्थनकारी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। तथापि, इस तथ्य पर विचार करते हुए कि संबद्ध देश से किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने घरेलू उद्योग के दावे का खंडन नहीं किया है। प्राधिकारी यह मानते हैं कि संबद्ध देश

में मुक्त रूप से उपलब्ध क्षमताएं मौजूद हैं और यदि पाटनरोधी शुल्क हटाया जाता है तो उनका भारत में पाटन किया जा सकता है ।

(iii) वह कीमत जिस पर भारत को चीनी निर्यातकों द्वारा इस सामग्री का निर्यात किया जा रहा है, इस बात की ओर संकेत करती है कि पाटनरोधी शुल्क हटाए जाने की स्थिति में पाटन जारी रहेगा । पहुंच कीमत के स्तर पर (पाटनरोधी शुल्क के बिना) भारी कीमत कटौती हो सकती है । इस प्रकार पाटनरोधी शुल्क हटाए जाने से भारतीय कीमतें विदेशी उत्पादकों के लिए भारी मात्रा में निर्यात करने के लिए काफी आकर्षक हो जाएंगी । यह बात निम्नांकित तालिका में दिए गए आंकड़ों से स्पष्ट है ।

संबद्ध देशों की सीआईएफ कीमत (रु./किग्रा.)					
निर्यात कीमत-स्टील टेप	***	***	***	***	***
निर्यात कीमत- फाइबर टेप्स	***	***	***	***	***
निवल बिक्री प्राप्ति (स्टील टेप)	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100.00	100.26	95.24	96.59	96.59
निवल बिक्री प्राप्ति (फाइबर ग्लास टेप)	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100.00	98.01	94.34	100.13	100.13
पहुंच कीमत (स्टील टेप)	***	***	***	***	***
पहुंच कीमत (फाइबर ग्लास टेप)	***	***	***	***	***
कीमत कटौती					
(स्टील टेप)	***	***	***	***	***
(फाइबर ग्लास)	***	***	***	***	***

(iv) यद्यपि डीजीसीआईएंडएस द्वारा प्रदत्त आंकड़ों पर विश्वास नहीं किया गया है क्योंकि इनमें पृथक रूप से अपेक्षित आंकड़े प्रदर्शित नहीं होते हैं । फिर भी इन्हीं आंकड़ों के विश्लेषण से यह पता चलता है कि मापन टेपों का भारत में विभिन्न नामों जैसे रूलर्स, रूल्स, स्केल, गेज आदि के अंतर्गत निर्यात किया जा रहा है ।

(v) संबद्ध वस्तु की मांग आधार वर्ष में *** मी.ट. से बढ़कर जांच अवधि के दौरान *** मी.ट. हो गई है जिसमें 48% की वृद्धि दर्ज हुई है परंतु घरेलू उद्योग का हिस्सा आधार वर्ष में

66 प्रतिशत से घटकर जांच अवधि के दौरान 49 प्रतिशत रह गया है। देश में संबद्ध वस्तु की बढ़ती हुई मांग और घरेलू उद्योग के घटते हुए हिस्से से बाजार में एक रिक्त स्थान का संकेत मिलता है जिसे पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद पाटित कीमतों पर निर्यातकों द्वारा भरा जा रहा है। यदि पाटनरोधी शुल्क हटाया जाता है तो घरेलू उद्योग का सूपड़ा साफ होने की संभावना है।

च. क्षति और कारणात्मक संबंध का निर्धारण.

च.1 निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

30. किसी उत्पादक/निर्यातक या किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है।

च.2 घरेलू उद्योग के विचार

31. क्षति के संबंध में घरेलू उद्योग के तर्कों का सारांश नीचे दिया गया है:

(i) पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से घरेलू उद्योग को उसका निष्पादन सुधारने में मदद मिली है। शुल्क लगाए जाने के बाद से घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में सुधार हुआ है और घरेलू उद्योग ने भारी घाटे की पूर्ववर्ती स्थिति की तुलना में मामूली लाभ कमाना शुरू कर दिया है। निवेश पर आय और नकद लाभ ने भी लाभ की प्रवृत्ति दर्शानी शुरू कर दी है। दूसरी ओर मांग और उत्पादन में वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है जिसके परिणामस्वरूप मालसूची में वृद्धि हुई है और क्षमता उपयोग भी कमोबेश समान रहा है। आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से काफी कम है। इस प्रकार यह स्पष्ट है कि पाटनरोधी शुल्क लागू होने से उद्योग को कुछ हद तक अपने निष्पादन में सुधार करने में मदद मिली है; परंतु घरेलू उद्योग की स्थिति अब भी खराब है क्योंकि उसने अभी केवल सुधार करना शुरू किया है और उसकी सकारात्मक वृद्धि हो स्थिर बनाने के लिए आगे और संरक्षण की जरूरत है।

(ii) यदि वर्तमान में लागू शुल्क को हटाया जाता है तो घरेलू उद्योग को हुई क्षति के पुनरावृत्ति होने की संभावना है। इन उपायों को हटाए जाने के बाद चीन से आयातों की संभावित मात्राओं और कीमतों से घरेलू उद्योग आगे और जोखिम में आ जाएगा।

प्राधिकारी द्वारा जांच

32. प्राधिकारी ने क्षति के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए विभिन्न तर्कों को नोट किया है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. के विरुद्ध पाटनरोधी शुल्क लागू है। चीन जन.गण. के संबंध में अपने अंतिम निर्धारण में प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया है कि संबद्ध देश से आयात पाटित कीमतों पर हुए हैं। अतः क्षति और कारणात्मक संबंध से संबंधित विश्लेषण के प्रयोजनार्थ संबद्ध देश से हुए आयातों को पाटित आयात माना गया है।

[illegible]

चीन	%	63.03	43.80	63.43	57.08	57.08
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	70	101	91	91
अन्य	%	36.97	56.20	36.57	42.92	42.92
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	152	99	116	116

उपर्युक्त आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के कारण चीन जन.गण. से आयातों में आधार वर्ष से 2005-06 तक गिरावट आई है परंतु इसके बाद जांच अवधि के दौरान इनमें पर्याप्त वृद्धि हुई है। इसी प्रकार पूर्ववर्ती अवधि की तुलना में जांच अवधि के दौरान अन्य देशों से हुए आयातों में पर्याप्त रूप से वृद्धि हुई है। तथापि, संबद्ध देश का बाजार हिस्सा संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान कमोबेश समान स्तर पर रहा है और पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान इसमें मामूली गिरावट आई है। तथापि अन्य देशों के बाजार हिस्से में पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान गिरावट आई है।

36. याचिकाकर्ता ने आयातों के लिए आईबीआईएस द्वारा प्रदत्त सौदावार आंकड़े प्रस्तुत किए हैं तथापि, आईबीआईएस सभी सीमाशुल्क पत्तनों को कवर नहीं करता है। डीजीसीआईएंडएस द्वारा प्रदत्त सौदावार आंकड़ों से आईबीआईएस की तुलना में भारी आयात मात्राओं (अर्थात् अन्य गैर विचाराधीन उत्पाद मदों को शामिल करके) का पता चलता है। इसके अलावा, डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों के अनुसार ज्ञात किया गया सीआईएफ मूल्य भी असाधारण रूप से कम है। इस प्रकार इस जांच में आईबीआईएस द्वारा प्रदत्त सौदावार आंकड़ों पर विश्लेषण हेतु भरोसा किया गया है। आईबीआईएस द्वारा प्रदत्त सूचना से यह पता चलता है कि आधार वर्ष से जांच अवधि तक संबद्ध देश से हुए आयातों में 100% तक की वृद्धि हुई है। अन्य देशों से भी आयात हुए हैं। जांच अवधि के दौरान चीन से हुए आयातों का कुल आयातों में 57% हिस्सा रहा है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग जांच अवधि और पूर्ववर्ती वर्षों के दौरान हुए आयातों के कारण प्रभावित हुआ है।

ii) मांग, उत्पाद और बाजार हिस्सा:-

विवरण	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
आयात -संबद्ध देश	मी.ट.	145.70	125.69	119.93	437.05	291.37
आयात-अन्य देश	मी.ट.	85.48	161.24	69.14	328.69	219.13

घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	98	160	107
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्रियां	मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	199	219	329	220
मांग	मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	115	110	222	148
मांग में घरेलू उद्योग और आयात का हिस्सा						
संबद्ध देश	%	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	75	75	135	135
अन्य देश	%	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	163	74	173	173
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	84	90	75	75
अन्य भारतीय उत्पादक	%	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	172	199	148	148

37. संबद्ध वस्तु की मांग का परिकलन घरेलू उद्योग की आबद्ध खपत समेत घरेलू बिक्रियों, अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्रियों और सभी देशों से सभी आयातों को जोड़कर किया गया है।

38. यह नोट किया गया है कि संबद्ध वस्तु की मांग में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में ***% की वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा जांच अवधि में घटकर ***% रह गया है। तथापि, यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से आयातों का हिस्सा आधार वर्ष में 13.63% से बढ़कर जांच अवधि में 18.41% हो गया है।

39. ऊपर दी गई तालिका से यह स्पष्ट है कि जांच अवधि के दौरान पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में संबद्ध वस्तु की मांग में पर्याप्त वृद्धि हुई है। इसी प्रकार पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्रियों में भी पर्याप्त रूप से वृद्धि हुई है। इसके अलावा, मांग में संबद्ध देशों और अन्य देशों का हिस्सा भी पर्याप्त रूप से बढ़ा है जबकि घरेलू उद्योग और अन्य भारतीय उत्पादकों का हिस्सा पर्याप्त रूप से कम हुआ है। संबद्ध देश पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बावजूद आयात बेरोक-टोक जारी हैं।

40. घरेलू उद्योग का उत्पादन:-

विवरण	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
क्षमता	मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	150	100
उत्पादन	मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	97	167	111
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	97	111	111

उपर्युक्त तालिका में दिए गए आंकड़ों से यह पता चलता है कि संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता कमीबेश समान स्तर पर रही है। तथापि, आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन में 11% की वृद्धि हुई है। यद्यपि, इसमें उसी अनुपात में वृद्धि नहीं हुई है जिस अनुपात में मांग में वृद्धि हुई। उत्पाद की मांग में 48% की वृद्धि हुई है जबकि उत्पादन में केवल 11% की वृद्धि हुई है।

41. घरेलू उद्योग की बिक्रियां:-

विवरण	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
बिक्रियां	मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	98	160	107

आंकड़ों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग की बिक्रियों में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 11% की वृद्धि हुई है। परंतु यह वृद्धि मांग में हुई 48% की वृद्धि की तुलना में काफी कम है।

(ख) घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

42. घरेलू उद्योग की कीमतों पर संबद्ध देश से पाटित आयातों के प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ उत्पादन की भारित औसत लागत, घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) और क्षतिरहित कीमत (घरेलू उद्योग की लागत निर्धारण संबंधी सूचना के आधार पर परिकलित) की तुलना संबद्ध देश से आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है। आयातों के पहुंच मूल्य का परिकलन आईबीआईएस द्वारा प्रदत्त आयात मात्रा और मूल्य संबंधी सूचना के आधार पर किया गया है।

कीमत कटौती

(मूल्य रु./किग्रा. में)

विवरण	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
निर्यात कीमत-स्टील टेप्स	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
निर्यात कीमत -फाइबर टेप्स	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
पहुंच कीमत -स्टील टेप्स	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
पहुंच कीमत -फाइबर टेप्स	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
निवल बिक्री प्राप्ति-स्टील	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
निवल बिक्री प्राप्ति-फाइबर	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
उत्पादन की लागत -स्टील टेप्स	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
उत्पादन की लागत -फाइबर टेप्स	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
कीमत कटौती -स्टील टेप्स	रु./किग्रा.					***
कीमत कटौती - फाइबर टेप्स	रु./किग्रा.					***
कीमत कटौती -स्टील टेप्स	%					***
कीमत कटौती -फाइबर टेप्स	%					***

कीमत कटौती रेंज-स्टील टेप	%					225-275
कीमत कटौती रेंज- फाइबर टेप	%					650-700

43. कम कीमत पर बिक्री

जांच अवधि (मूल्य रू./किग्रा. में)

निवल बिक्री प्राप्ति -स्टील टेप	***
निवल बिक्री प्राप्ति - फाइबर टेप	***
क्षतिरहित कीमत - स्टील टेप	***
क्षतिरहित कीमत - फाइबर टेप	***
पहुंच मूल्य - स्टील	***
पहुंच मूल्य - फाइबर	***
कम कीमत पर बिक्री - स्टील	***
कम कीमत पर बिक्री - फाइबर	***
कम कीमत पर बिक्री (%) - स्टील	***
कम कीमत पर बिक्री (%) - फाइबर	***
कम कीमत पर बिक्री रेंज(%) - स्टील	300-350
कम कीमत पर बिक्री रेंज (%) - फाइबर	600-650

जांच अवधि के दौरान स्टील टेपों के संबंध में संबद्ध देशों से आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से काफी कम रहा था । अतः जांच अवधि के दौरान कीमत कटौती काफी अधिक थी । इसी प्रकार फाइबर ग्लास टेप के संबंध में कीमत कटौती काफी अधिक है ।

घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति के निर्धारण में घरेलू उद्योग द्वारा दी गई रिबेट, छूटों और कमीशन तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को समायोजित किया गया है ।

पाटित आयातों के कीमत न्यूनकारी प्रभाव की भी उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति और संबद्ध देश से पहुंच मूल्य के संदर्भ में जांच की गई है ।

उत्पादन लागत संबंधी आंकड़ों से पता चलता है कि उत्पादन लागत में आधार वर्ष से जांच अवधि के दौरान मामूली बढ़ोत्तरी हुई है। बिक्री कीमत संबंधी आंकड़ों से पता चलता है कि बिक्री कीमत में भी उत्पादन जैसी ही प्रवृत्ति रही है।

कम कीमत पर बिक्री क्षति के आकलन का एक महत्वपूर्ण संकेतक है; इस प्रकार प्राधिकारी ने स्टील टेपों और फाइबर ग्लास टेपों के अलग-अलग क्षतिरहित कीमत परिकल्पित की है और कम कीमत पर बिक्री की मात्रा ज्ञात करने के लिए पहुंच मूल्य के साथ इनकी तुलना की है। घरेलू उत्पादक के लिए क्षतिरहित कीमत का मूल्यांकन जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन लागत पर उचित ढंग से विचार करते हुए किया गया है। इस विश्लेषण से पता चलता है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का पहुंच मूल्य जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित क्षतिरहित कीमत से काफी कम रहा है।

घरेलू उद्योग से संबंधित अन्य आर्थिक मापदंडों की जांच

44. नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की वस्तुनिष्ठ जांच शामिल होगी। ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में नियमावली में आगे यह व्यवस्था है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में सभी संगत आर्थिक कारकों और बिक्रियों, लाभों, उत्पाद का बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेशों पर आय में वास्तविक और संभावित गिरावट या क्षमता उपयोग; घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारकों, पाटन के मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह, मालसूचियों पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता सहित संकेतकों, जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है, का वस्तुनिष्ठ और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा।

45. घरेलू उद्योग की मात्रा और कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव और क्षति के प्रमुख संकेतकों जैसे आयातों की मात्रा और मूल्य, क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और घरेलू उद्योग की बिक्रियां तथा पूर्ववर्ती खंड में विभिन्न भागों के बाजार हिस्सों के साथ मांग की प्रवृत्ति की जांच करने के बाद अन्य आर्थिक मापदंडों, जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति की मौजूदगी का संकेत मिल सकता है, का भी निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है:

46. लाभ और नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित प्रभाव:-

घरेलू उद्योग के लाभ में संबद्ध वस्तु के भारी पाटन के कारण गिरावट आई है और 2004-05 के दौरान यह ऋणात्मक हो गया है। तत्पश्चात पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के वर्ष 2005-06 के दौरान लाभ में पर्याप्त वृद्धि दर्ज की गई है। तथापि, संबद्ध वस्तु के लगातार और काफी अधिक पाटन के कारण जांच अवधि के दौरान लाभ में गिरावट की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है।

विवरण	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
उत्पादन लागत	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	100	100	100
नियत बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	101	101	101
लाभ/हानि	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	-806	382	363	363
कर एवं ब्याज पूर्व लाभ/हानि	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	-779	376	601	401

47. रोजगार तथा मजदूरी:-

विवरण	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
कर्मचारियों की संख्या	सं.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	86	98	99	99
मजदूरी	रु./लाख	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	93	91	117	78
प्रति कर्मचारी प्रदत्त मजदूरी	रु./लाख	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	93	124	83
प्रति मी.ट. उत्पादन की मजदूरी	रु./लाख	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	90	93	70	70

48. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के कर्मचारियों की संख्या कमोबेश समान रही है। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान रोजगार के स्तर में कोई खास परिवर्तन नहीं

हुआ है। इसी प्रकार आधार वर्ष की तुलना में कर्मचारियों को दी गई मजदूरी में 17% की कमी आई है। तथापि, उत्पादन की प्रति यूनिट मजदूरी में भी आधार वर्ष की तुलना में 30% की गिरावट आई है।

उत्पादकता:-

49. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान प्रति कर्मचारी उत्पादन में वृद्धि हुई है।

विवरण	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
उत्पादकता	मी. ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	119	99	168	112

मालसूचियां:-

विवरण	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
औसत मालसूचियां	मी. ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	132	89	89	81
स्टॉक में बिक्री दिवसों की संख्या	दिवस/मी. ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	136	90	80	73

50. उपर्युक्त तालिका दर्शाती है कि औसत मालसूची तथा स्टॉक में बिक्री दिवसों की संख्या में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान क्रमशः 19% और 27% की गिरावट हुई है।

51. निवेश पर आय और पूंजी जुटाने की क्षमता

विवरण	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
निवल स्थिर परिसंपत्तिया	रू./लाख	***	***	***	***	***
रू./लाख	सूचीबद्ध	100	79	96	95	63
कार्यशील पूंजी	रू./लाख	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	72	65	69	46
लगाई गई पूंजी	रू./लाख	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	71	70	82	55
लगाई गई पूंजी पर आय	%	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	-36	31	219	133

लगाई गई पूंजी से प्राप्त आय वर्ष 2004-05 के दौरान नकारात्मक हो गई थी, परंतु तत्पश्चात एवं जांच अवधि तक यह सकारात्मक रही ।

52. वृद्धि

आधार वर्ष से जांच अवधि के दौरान मांग में हुई वृद्धि में सकारात्मक रुख देखा गया । तथापि क्षति की समस्त अवधि के दौरान उत्पादन लागत और बिक्री कीमत उसी स्तर पर बनी रही । लामप्रदता एवं निवेश से आय में सकारात्मक रुख देखा गया ।

छ. अन्य ज्ञात कारक

अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा एवं कीमत

53. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में वर्ष 2004-05 के दौरान अन्य देशों से हुए आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है । इसमें वर्ष 2005-06 के दौरान भारी गिररवट आई और जांच अवधि के दौरान अत्यधिक वृद्धि हुई । क्षति की अवधि के दौरान अन्य देशों से सीआईएफ कीमतें संबद्ध देश से हुए आयातों की तुलना में अधिक हैं ।

54. व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां एवं विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

संबद्ध वस्तुएं मुक्त रूप से आयात योग्य हैं और घरेलू बाजार में कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां नहीं हैं। अतः इस कारक को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं कहा जा सकता।

55. मांग में संकुचन, प्रौद्योगिकी का विकास एवं निर्यात निष्पादन

प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की मांग में 48% वृद्धि देखी गई है। तथापि हितबद्ध पक्षकारों ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति के रूप में प्रौद्योगिकी अथवा प्रौद्योगिकी से संबंधित मुद्दे नहीं उठाए हैं।

ज. कारणात्मक संबंध

56. घरेलू उद्योग द्वारा कारणात्मक संबंध के बारे में उठाए गए मुद्दे की जांच की गई है। घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति एवं पाटित आयातों के बीच कारणात्मक संबंध से संबंधित मुद्दों की विस्तृत जांच की गई। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैराग्राफ (v) में निम्नलिखित उल्लेख किया गया है:

" यह प्रदर्शित किया जाना चाहिए कि पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है; जैसा कि उपर्युक्त पैराग्राफ (ii) तथा (iv) में उल्लेख किया गया है। पाटित आयातों तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का प्रदर्शन निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष सुसंगत साक्ष्य की जांच पर आधारित होगा। इसके साथ ही निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटित आयातों से इतर अन्य ज्ञात कारकों जिनके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है, की भी जांच करेंगे और इन कारकों से हुई क्षति को पाटित आयातों का कारण नहीं माना जाएगा। इस संबंध में जो कारक प्रासंगिक हो सकते हैं, उनमें अन्य बातों के साथ-साथ आयातों की मात्रा एवं कीमतें; जिन्हें पाटित कीमतों पर नहीं बेचा गया, मांग में संकुचन अथवा खपत के पैटर्न में परिवर्तन, व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां एवं विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी का विकास एवं घरेलू उद्योग का निर्यात कार्यनिष्पादन एवं उत्पादकता शामिल हैं।"

प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा अत्यधिक है और ये पाटित कीमतों पर हुए हैं। याचिकाकर्ता ने तर्क प्रस्तुत किया है कि संबद्ध वस्तुओं का भारत को निर्यात विभिन्न विवरणों एवं नामों से किया जा रहा है और संबद्ध वस्तुओं पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क से बचने और उसका अपव्ययन करने के लिए इन्हें अन्य देशों के माध्यम से भेजा जा रहा है। हालांकि उक्त तर्क को सिद्ध करने के लिए कोई निर्णायक साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है, तथापि इसके विरोध में किसी निर्यातक/हितबद्ध पक्षकार से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटित कीमतों पर संबद्ध देश से हो रहे आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति निरंतर हो रही है।

घरेलू उद्योग की संवेदनशीलता

57. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में सुधार हुआ था। परंतु आयातों की मात्रा व मूल्य के वर्तमान स्तर, संबद्ध वस्तुओं के संरक्षित सामान्य मूल्य, देश में संबद्ध वस्तुओं की मांग एवं अत्यधिक पाटन मार्जिन को देखते हुए पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग के समक्ष पाटन व क्षति की पुनरावृत्ति होने की संभावना है।

वर्तमान उपायों से आयातों द्वारा अत्यधिक कीमत कटौती

58. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है और शुल्क वापस ले लिए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग की कीमतों में और भी कटौती होगी। पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को और अधिक क्षति होने की अत्यधिक संभावना है क्योंकि आयातित उत्पाद एवं घरेलू उद्योग के उत्पाद की कीमत में अंतर भी उल्लेखनीय है।

पाटन मार्जिन का स्तर

59. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन मार्जिन का स्तर अत्यधिक है और न्यूनतम से अधिक है।

अ. अंतिम जांच परिणाम:

60. उठाए गए मुद्दों, हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदत्त सूचना तथा किए गए निवेदनों एवं हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों अथवा उपर्युक्त जांच परिणाम में दर्ज तथ्यों के माध्यम से प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों तथा वर्तमान एवं संभावित पाटन व क्षति की स्थिति और पाटन व क्षति के जारी रहने अथवा पुनरावृत्ति होने की संभावना के विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि :

- i) संबद्ध वस्तुओं का भारतीय बाजार में प्रवेश पाटित कीमतों पर हो रहा है और चीन जन.गण. से आयातित संबद्ध वस्तुओं की पाटन मार्जिन अत्यधिक एवं न्यूनतम से अधिक है।
- ii) भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तुओं के पाटित कीमतों पर प्रवेश की संभावना है और चीन जन.गण. से पाटित आयातों की संभावित पाटन मार्जिन अत्यधिक और न्यूनतम से अधिक है।
- iii) यदि वर्तमान उपाय वापस ले लिए जाते हैं, तो संबद्ध वस्तुओं के भारतीय बाजार में पाटित कीमतों पर प्रवेश की संभावना है।

- (iv) हालांकि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में सुधार हुआ है, तथापि आयातों की मात्रा व मूल्य के वर्तमान स्तर, संबद्ध वस्तुओं के संरचित सामान्य मूल्य, देश में संबद्ध वस्तुओं की मांग एवं अत्यधिक पाटन मार्जिन को देखते हुए घरेलू उद्योग की स्थिति नाजुक और संवेदनशील बनी हुई है और पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग के समक्ष पाटन व क्षति की पुनरावृत्ति होने की संभावना है ।

ज. भारतीय उद्योग के हित व अन्य मुद्दे

61. प्राधिकारी स्वीकार करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारत में इस उत्पाद का कीमत स्तर प्रभावित हो सकता है । तथापि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारतीय बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी । इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन पद्धति से प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग में आ रही गिरावट पर रोक लगेगी और संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं को व्यापक विकल्प उपलब्ध रहेंगे । प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देशों से आयातों पर किसी भी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगेगा, अतः उपभोक्ताओं के लिए इस उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी । उपभोक्ताओं को आपूर्ति के दो अथवा अधिक स्रोत उपलब्ध रहेंगे ।

62. पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार पद्धति द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली तथा उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है । पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देशों से आयातों पर किसी भी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगेगा, अतः उपभोक्ताओं के लिए इस उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी ।

ट. सिफारिशें

63. इस निष्कर्ष पर पहुंचकर कि घरेलू उद्योग की स्थिति नाजुक और संवेदनशील बनी हुई है और पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिए जाने की स्थिति में चीन जन.गण. से आयातों के कारण पाटन व क्षति जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, प्राधिकारी का अभिमत है कि चीन जन.गण. से इन आयातों के संबंध में इस उपाय को लागू रखा जाना अपेक्षित है ।

64. वर्तमान पाटन तथा लागू वर्तमान उपाय को वापस ले लिए जाने की स्थिति में पाटन की आसन्न संभावना की जांच करने के बाद प्राधिकारी भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-I खंड-I में प्राधिकारी द्वारा प्रकाशित अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना सं. 14/31/2002-डीजीएडी दिनांक 1.9.2003 द्वारा यथा संस्तुत एवं केन्द्रीय सरकार द्वारा दिनांक 7.10.2003 की अधिसूचना सं.147/2003- सीमाशुल्क द्वारा अधिसूचित पाटनरोधी शुल्क को जारी रखे जाने की संस्तुति करते हैं । तथापि, प्राधिकारी कमतर शुल्क संबंधी पाटनरोधी शुल्क के रूप में शुल्क के रूप को परिवर्तित करने की सिफारिश करते हैं कि संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित विचाराधीन संबद्ध वस्तु जो सीमाशुल्क शीर्ष 9017.8010 अथवा 9017.90 00 के अंतर्गत आती है, के सभी निर्यातों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा निम्नानुसार निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए । नीचे उल्लिखित संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित मैजरींग टेप्स, जो सीमा

शुल्क टैरिफ के अध्याय 90 के अंतर्गत शामिल हैं, के सभी आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क निम्नलिखित तालिका के कॉलम-9 में उल्लिखित राशि होगा :-

क्र.सं.	उप-शीर्ष	वस्तु का विवरण	निर्दिष्ट देश	उत्पन्न देश	निर्वातक देश	उत्पादक	निर्वातक	शुल्क की राशि	माप की इकाई	मुद्रा
1	9017.8010 अथवा 9017.90	मेजरिंग टेप	स्टील टेप एवं उसके हिस्से तथा घटक	चीन जनवादी गणराज्य	चीन जनवादी गणराज्य	कोई	कोई	4.19	कि.ग्रा.	अम.डॉ.
2	-वही-	मेजरिंग टेप	स्टील टेप एवं उसके हिस्से तथा घटक	चीन जनवादी गणराज्य	चीन जनवादी गणराज्य को छोड़कर अन्य कोई	कोई	कोई	4.19	कि.ग्रा.	अम.डॉ.
3	-वही-	मेजरिंग टेप	स्टील टेप एवं उसके हिस्से तथा घटक	कोई देश	चीन जनवादी गणराज्य	कोई	कोई	4.19	कि.ग्रा.	अम.डॉ.
4	-वही-	मेजरिंग टेप	फाइबर ग्लास स्टील टेप एवं उसके हिस्से तथा घटक	चीन जनवादी गणराज्य	चीन जनवादी गणराज्य	कोई	कोई	4.10	कि.ग्रा.	अम.डॉ.
5	-वही-	मेजरिंग टेप	फाइबर ग्लास स्टील टेप एवं उसके हिस्से तथा घटक	चीन जनवादी गणराज्य	चीन जनवादी गणराज्य को छोड़कर अन्य कोई	कोई	कोई	4.10	कि.ग्रा.	अम.डॉ.
6	-वही-	मेजरिंग टेप	फाइबर ग्लास स्टील टेप एवं उसके हिस्से तथा घटक	कोई देश	चीन जनवादी गणराज्य	कोई	कोई	4.10	कि.ग्रा.	अम.डॉ.

65. इस सिफारिश के परिणामस्वरूप उत्पन्न केन्द्रीय सरकार के इस आदेश के विरुद्ध अपील इस अधिनियम के संगत प्रावधानों के अनुसरण में सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)
NOTIFICATION
New Delhi, the 27th March, 2009
FINAL FINDINGS

Sub: Sunset Anti-dumping review investigations in the matter relating to imports of Measuring Tapes originating in or exported from China PR.

No. 15/2/2008-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as Rules);

A. Background of the Case

1. The Designated Authority, having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, recommended imposition of provisional Anti Dumping duty on imports of Measuring Tapes (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as the subject country) classified under Chapter 90 of the Customs Tariff Act under Sub-heading 9017.80 and 9017.90. The preliminary findings were published vide Notification No 14/31/2002-DGAD dated 31/1/2003 and provisional duty was imposed on the subject goods vide Customs notification No. 65/2003-Customs dated 14th April 2003. The Designated Authority came out with final findings vide Notification No 14/31/2002-DGAD dated 1.9.2003 and definitive anti dumping duty was imposed by Ministry of Finance as per Notification No. 147/2003-Customs dated 7.10.2003.

2. The Designated Authority initiated the sunset review investigation of anti-dumping duty imposed on imports of Measuring Tapes originating in or exported from China PR following a request to this effect by the Domestic Industry M/s FMI Ltd., Ludhiana and M/s Freemans Measures Pvt Ltd, Ludhiana. The request was based on the grounds that the expiry of the measures would be likely to result in a continuation or recurrence of dumping and/or injury to the domestic industry. The petitioner claimed with prima facie evidence that cessation of anti dumping duty imposed on subject goods from these countries is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury and have requested for continuation and enhancement of the anti dumping duty imposed on subject goods from subject countries for a further period of five years.

3. Having satisfied on the basis of the positive evidence submitted by the domestic industry substantiating the need for a review, the Authority initiated sunset review vide Notification No. 15/2/2008-DGAD dated 31.03.08 in accordance with Section 9A (5) of the Act, read with Rule 23 of Antidumping Rules, to review the need for continued imposition of duties in force and whether the expiry of the duty would be likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury.

B. Procedure

4. The procedure described below has been followed with regard to this investigation:

- (i) After initiation of the review investigation, the Authority notified the domestic industry, all known exporters/producers in the subject countries and known importers, calling for questionnaire responses and necessary information in accordance with Rule 6(4);
- (ii) The Embassy of the subject country in New Delhi was also informed about the initiation of the investigation, in accordance with Rule 6(2), with a request to advise the exporters/producers in their respective countries to respond to the questionnaire within the prescribed time.
- (iii) The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information, to the following known exporters from China PR.
 - Nangbo Land Tools & Measuring Tools Company Limited, China
 - Ningbo Hongdi Measuring Tape Industries Company, China
 - Shaanxi Machinery & Equipment Import Export Corporation, China
 - Shanghai Yu Hua Industries Company Limited, China
 - Yuyao Foreign trade (Group) Company Limited, China

- Cixi Zunbao Steel Tapes Company Limited, China
- Sino-USA Sunlight Tapes Industries , China
- Zhejiang Yiwu Wudian Greatwall Hardware Factory, China

However none of these exporters has responded to the questionnaire in response to the above notification.

- (iv) The period of investigation for the purpose of the present review is 1st April 2006 to 30th September 2007 (18 months). However, injury analysis covered the financial years 2003-2004, 2004-2005, 2005-2006 and POI.
- (v) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, and the period of investigations. The requested information has been received from the DGCI&S.
- (vi) The following domestic producers of the subject goods have provided their cost and injury information for injury investigation.
 - M/s Freemans Measure Pvt Ltd, Ludhiana,
 - M/s FMI Limited, Ludhiana.
- (vii) A copy of initiation notification along with the importers questionnaire was also sent to the following known importers and users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4)
 - Lohia Trade Concern, Delhi
 - Vinay Brothers, Mumbai
 - VK International, Mumbai
 - Ghanshyam Dass & Sons (VeeKay Industries), Mumbai
 - New Wave Industries, Jalandar
 - AL- Fahad enterprises, Mumbai
 - Ashiana Exports, Mumbai
 - Sterling Enterprises, Mumbai
 - SK Enterprises, Mumbai

However none of the importers or users has filed response to the questionnaire.

- (viii) The Authority has considered all views expressed and submissions made by various interested parties to the extent they are relevant for the present investigation.

- (ix) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.
- (x) The Authority verified the information furnished by the domestic industry to the extent possible to examine the injury suffered and to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the applicants so as to ascertain if Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry.
- (xi) In accordance with Rule 6(6), the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a public hearing held on 12th January 2009. The parties, which presented their views in the public hearing, were requested to file written submissions of the views expressed orally.
- (xii) In accordance with Rule 16 of the anti-dumping Rules, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to the known interested parties and comments received on the same are duly examined in the final findings.
- (xiii) Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has granted confidentiality, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- (xiv) Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigations, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded these findings on the basis of the facts available.
- (xv) The Authority issued a detailed Disclosure Statement on 20.3.2009 for submission to the interested parties giving thereby essential facts under consideration and views expressed thereon have been duly incorporated in the present findings.

- (xvi) *** In the Final Findings represents information furnished by interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

C. Product under consideration and like Article.

C.1 Views of the Domestic Industry

5. Following issues have been raised by the domestic industry with regard to product under consideration and like article:

- (i) Since the present investigation is a review investigation, product under consideration remains the same as has been defined in the original investigation. There has been no significant development in the product over the period.
- (ii) The goods produced by the domestic industry are like article to the imported product.
- (iii) Measuring Tapes are generally of three varieties: Steel Tapes, Fiber Glass Tapes and Metal Wired Tapes. However imports are being made under different nomenclature to evade the anti-dumping duty.
- (iv) Producers and exporters from the subject countries have continued to export subject goods to India at dumped prices inspite of the imposition of Anti Dumping duty.
- (v) Domestic Industry continues to be injured by the dumping of the subject goods.
- (vi) In spite of imposition of Anti dumping duty the product continuous to be available in the market at almost the same price and almost in similar volumes as it was during original investigation.
- (vii) Imports are offering the subject goods to the Indian customers at prices lower than the bench mark price implying that imports are taking place evading Anti Dumping Duty.
- (viii) Imports are over invoiced to keep the landed prices of imports just above the bench mark.

(ix) *Since the prescribed unit of measurement is in Nos and the bench mark is on weight basis, the weight are being understated resulting in significantly higher import price on weight basis.*

(x) *Minimum weight for the different sizes of measuring tapes should be prescribed by the Authority to avoid circumvention.*

(xi) *Imports from countries other than China PR continue on unabated including those where there no manufacturing facilities.*

(xii) *Measuring Tapes are being imported into India under different nomenclature including "Plastic Tapes" without payment of Anti Dumping duty.*

(xiii) *The scope of the product needs to be redefined suitably to avoid evasion of anti dumping duty.*

C.2 Views of the importers, consumers, exporters and other interested parties

6. None of the exporters, importers, consumers and other interested parties has filed any comment or submissions with regard to product under consideration and like articles.

C.3 Examination by the Authority

7. The product involved in the original investigation as well as present sunset review is "Measuring Tapes and Parts and Components thereof". This investigation being a sunset review of the product against which duty is already in force, the scope of the product under consideration remains the same as has been defined in the original investigation. The Authority holds that the goods being manufactured by the domestic industry and the goods being manufactured and exported from subject country are like articles as per Rule 2(d) of Anti-Dumping Rules.

8. The product under consideration in the present petition is Measuring Tapes and parts and components thereof so long as these imports in effect

constitute imports of Measuring Tapes. Petitioner has submitted in the petition that Measuring tapes can be of following types:-

- Steel Tapes,
- Fiberglass Tapes,
- Metal wired Tapes.

Steel tapes are broadly divided into two types: -

- Pocket tapes,
- Other than pocket tapes

Pocket tapes can be of 2, 3 or 5 meters, while other tapes are larger than 5 meters. Large tapes can be of 10, 15, 20, 25, 30, meters etc. with different width. While these are the lengths in which it is largely made, tapes can be made in other lengths also.

9. All types of Steel Tapes and Fibre Glass Tapes and their parts or components (so long as the imports constitute in effect import of measuring tapes) are the subject matter of the present petition. Metal wired tapes are beyond the scope of the present petition. Metal wired tapes are made of high quality copper wires.

10. Petitioner argued that even though there are no tapes other than what is specified above, imports have been reported claiming that the product is not covered under the scope of the existing duties. Petitioners have therefore requested the Authority to redefine the scope of the product under consideration. Petitioners have argued that there are no other types of tapes produced and sold and therefore any claim of the product description being different than what is covered under the scope of the present duties should be considered as an attempt to evade anti dumping duties.

11. The Authority considered the request of the petitioner regarding re-defining scope of the product under consideration. The Authority holds that there is no scope to redefine the product under consideration (PUC) during the Sunset Review differently from the original investigation. The scope of the PUC has to remain same during the Sunset Review as that during the original investigation.

12. The domestic industry produces Measuring Tapes having characteristics and specifications similar to the imported product. No other argument has been extended by any interested party on the issue of product under consideration or like article. The Authority holds that the product being manufactured by the domestic industry is a like article to the product being exported from the subject country as per Rule 2(d) of Anti Dumping Rules.

D. Standing and Scope of the Domestic Industry

D.1 Views of the domestic industry

13. (i) The petitioner constitutes a major proportion in Indian production.
(ii) Domestic Producers expressly supporting the application account for more than 50% of total production of the like product produce by the domestic industry.
(iii) The application has been made by or on behalf of the domestic industry.
(iv) The petitioners satisfy the requirement of standing under the Rules
(V) The participating companies constitutes domestic industry within the meaning of the Anti Dumping Rules.

D.2 Views of the importers, consumers, exporters and other interested parties

14. None of the exporters, importers, consumers and other interested parties has filed any comment or submissions with regard to standing of the domestic industry.

D.3 Examination by the Authority

15. (i) The petition was jointly filed by M/s FMI Limited and M/s Freemans Measures Pvt. Ltd and supported by M/S Klas Tapes company, Mumbai. Apart from the petitioners and supporters there are two other companies who have the capacity to manufacture measuring tapes in India namely M/s Skanan Hardware Ltd Mumbai and M/s. APT Manufactures Pvt Limited Ludhiana. The petitioners and the supporter together constitute as "Domestic Industry" within the meaning of the rules.

(ii) In the original investigations, FMI Limited and Freemans Measures Pvt. Ltd. had filed the petition before the Designated Authority. In the present investigation also, FMI Limited and Freemans Measures Pvt. Ltd. have filed the petition. The petitioners constitute domestic industry within the meaning of the Anti Dumping Rules. The investigation has not shown any fact to the contrary to what has been claimed and established by the petitioners. Having regard to the Rules and information on record, the Authority holds that FMI Limited and Freemans Measures Pvt Ltd constitute domestic industry for the purpose of the present investigations within the meaning of the Rules

E. Methodology for calculation of Dumping Margin

(Dumping Determination: Normal Value, Export Price and Dumping Margin)

E1. Views of the domestic industry:

16.(i) Producers and exporters from the subject country have continued to export at dumping prices.

(ii) China being a non market economy country, normal value should be determined by taking India as surrogate country since information with regard to a market economy third country is not available.

(iii) Despite the Anti Dumping Duty dumping of the subject goods continues and import volumes are increasing through circumvention of the anti Dumping Duty.

(iv) The domestic industry continues to suffer injury due to intensified imports.

E.2. Views of exporters /Importers and other Interested parties.

17. None of the exporters, importers, consumers and other interested parties has filed any comment or submissions with regard to normal value.

E.3 Examination by the Authority

18. Under section 9A (1)(c), normal value in relation to an article means:

- (i) *the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or*
- (ii) *when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either*
 - (a) *comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
 - (b) *the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);*

19. The Designated Authority, as per para 8 (2) of the annexure 1 of AD rules, for the purpose of assessing the normal value, proceeded with the presumption that any country that has been determined to be or has been

treated as a non-market economy for the purposes of anti-dumping investigations by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO member country during the three years period preceding the investigation is a non-market economy country. In the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in the anti-dumping investigations by WTO members such as EU and USA. In the instant case China PR has been proposed to be investigated as a non-market economy country.

20. As per Paragraph 8, Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and prove the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- (a) the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- (b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- (c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and;
- (d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

21. The Authority sent copies of the questionnaires to all the known exporters for the purpose of determination of normal value. No exporters/producer responded to the Exporter's and Market Economy Treatment (MET) questionnaire. Hence, the presumption of non-market economy remain unrebutted, therefore, the Authority is proceeding treating exporters/producers in China PR as operating in non-market economy.

22. In view of the above, the Authority is unable to apply the principles set out in paragraph 1 to 6 of Annexure 1 for determination of normal value for the Chinese exporters. Therefore, the normal value in respect of all exporters/producers from China PR is determined as per Rules relating to non-market economy as contained in para 7 of Annexure 1 of AD Rules.

23. As per para 7 of Annexure 1 of AD Rules, the Authority is required to determine normal value on the basis of 'price or constructed value in the market economy third country or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product.' No data or information was made available by the domestic industry about normal value in market economy third country. Exporters/Producers have also not responded in this case. The Authority, therefore, in absence of any other option, has determined the normal value by resorting to method 'any other reasonable basis'.

Normal Value

24. Under the circumstances, the authority has constructed the normal value by considering the major raw material for manufacture of Steel Tapes and Fiber Tapes separately at the international prices, the consumption norms and other cost elements as per most efficient domestic unit and reasonable profit. Based on above information available, the normal value has been calculated as US\$ ***/Kg. and US\$ ***/Kg. for Steel Tapes and Fibre Glass Tapes respectively.

Export Price

25. The Authority has examined the import data provided by the DGCI &S. Since the same include various other types of measuring instruments such as Tools, Steel Rules, Blade, Rulers, Guage Assembly , etc. and the CIF price so worked out is found to be abnormally low. The Authority also examined the data from World Trade Atlas (WTA) source which shows that there is no dedicated code for Steel and Fibre Glass Measuring Tapes. Moreover, the tapes are being shown in numbers (quantity, not weight) and Parts are being shown in Kg. (weight). Thus, the Authority decided to adopt the transaction wise data provided by the domestic industry from the IBIS source.

26. The Authority relied upon the data of IBIS for determination of export price. During POI, the CIF value of weighted average export price was US\$ ***/kg and US\$ ***/kg for Steel Tapes and Fibre Glass Tapes respectively. After making adjustments on account of ocean freight and marine insurance, the ex-factory export price has been worked out as US\$ ***/kg and US\$ ***/kg for Steel Tapes and Fibre Glass Tapes respectively.

Dumping Margin

27. Based on the normal value and export price as determined above, the Authority determined the dumping margin as under:

Exporter/Producer	Normal Value	Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin
All exporters from China PR	US\$/kg.	US\$/kg.	US\$/kg.	%
Steel Tape	***	***	***	275-325
Fibre Glass Tape	***	***	***	625-675

E.4. Likelihood of dumping

Views of the Domestic industry

28. (i) The exporters have continued dumping significantly even after the imposition of anti-dumping duty. Thus, it is a situation where the producers

have been able to export significant volumes in spite of anti dumping duties. It is evident that the volumes would only at best increase, if the present anti dumping duties are revoked. Dumping is likely to continue in significantly increased proportion in the event of revocation of anti dumping duties. There are no changes in the parameters/circumstances prevailing at the time of original investigation and at present. The exporters have resorted to dumping the subject goods by adopting various nomenclatures to circumvent and evade the anti dumping duty.

- (ii) The producers in China have created significantly high capacities.
- (iii) The price at which material is being exported by Chinese exporters to India is also an indicator that dumping would continue in the event of revocation of anti dumping duty. At the landed price (without anti dumping duty), there is significant price undercutting. Thus, with the revocation of anti dumping duties, the Indian prices would be too attractive to the Foreign Producers to export significant volumes.
- (iv) Situation of the domestic industry clearly establishes that the domestic industry is extremely vulnerable to injury from dumped imports. The antidumping duty imposed by the order of the Authority has had a restraining effect to a great extent on the volume and market share of the import from China till 2005-06. However, more and more ways of circumvention of anti dumping duty are being resorted and import volumes are increasing. Such being the case, it is evident that revocation of duty would result in flooding of the dumped material in the Indian market.
- (v) The circumstances existing at the time of original investigation are still in existence as may be seen from the dumping margin existed in the two periods. There is no reason to believe why producers in the subject countries would not sell significantly higher volumes in Indian market and increase their market share in the event of revocation of anti dumping duty.
- (vi) Producers in China have built significant capacities. Further, there are several large-scale producers of subject goods who are

competing very aggressively with each other not only in their domestic market but in export markets as well.

Examination by the Authority

29. In order to examine whether the dumping of the product under consideration is likely to continue or intensify with the revocation of anti dumping duties, the Authority considered the following information/evidence:

- (i) The subject goods are continued to be imported at very low and dumped prices from China PR even after imposition of duties. There are no changes in the parameters/ circumstances prevailing at the time of original investigation and at present. In view of the same, the producers in China PR are likely to continue dumping of the product in the event of revocation of duties. This is evident from the table given below:

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI (April, 2006-Sep., 2007)	POI annualized
Landed price of imports Subject country						
Steel Tapes	Rs./kg	***	***	***	***	***
Fibre Glass	Rs./kg	***	***	***	***	***
Other countries						
Steel Tapes	Rs./kg	***	***	***	***	***
Fibre Glass	Rs./kg	***	***	***	***	***
Net sales realization (Steel Tapes)	Rs./kg	***	***	***	***	***

Trend	Indexed	100.00	100.26	95.24	96.59	96.59
Net sales realization (Fibre Glass Tapes)	Rs./kg	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	98.01	94.34	100.13	100.13
NIP (Rs. Kg)						
Steel Tapes	Rs./kg					***
Fibre Glass	Rs./kg					***

- (ii) The domestic industries have claimed that the producers in China PR have created significantly high capacities and in the event of revocation of Anti Dumping Duty they may dump the same in India. But the petitioners have not submitted any corroborative evidence to that effect. However, considering the fact that none of the exporters /producers from the subject country has come forward to rebut the claim of the domestic industry, the Authority holds that there are freely available capacities in the subject country and in the event of revocation of Anti Dumping Duty the same may get dumped in India.

(iii) The price at which material is being exported by Chinese exporters to India indicates that dumping would continue in the event of revocation of anti dumping duty. At the landed price (without anti dumping duty), there is significant price undercutting. Thus, with the revocation of anti dumping duties, the Indian prices would be too attractive to the Foreign Producers to export significant volumes. This is evident from the data given in the table below.

CIF Price of subject countries (Rs/Kg)						
Export price-Steel Tapes	***	***	***	***	***	***
Export price-Fibre	***	***	***	***	***	***

Tapes					
Net sales realization (Steel Tapes)	***	***	***	***	***
Trend	100.00	100.26	95.24	96.59	96.59
Net sales realization (Fibre Glass Tapes)	***	***	***	***	***
Trend	100.00	98.01	94.34	100.13	100.13
Landed price(Steel Tapes)	***	***	***	***	***
Landed price(Fibre Glass)	***	***	***	***	***
Price undercutting					
(Steel Tapes)	***	***	***	***	***
(Fibre Glass)	***	***	***	***	***

- (iv) Although the data provided by the DGCI &S has not been relied upon because the same does not reflect the required data in a segregated manner, nevertheless an analysis of the same data shows that measuring tapes are being exported into India under various nomenclature such as Rulers, Rules, Scale, Gauge, etc.
- (v) The demand for the subject goods has gone up from *** MT in the base year to *** MT during the POI registering an increase of 48%. But the share of the domestic industry has gone down from 66% in the base year to 49% during the POI. The increasing demand for the subject goods in the country and decreasing market share of domestic industry signifies a vacuum in the market which is being catered by the exporters at dumped prices despite the Anti Dumping duty in place. In the event of revocation of Anti Dumping Duty the domestic industries are likely to be swept off their feet.

F. Injury and Causal Link determination.**F.1 Views of exporters, importers, users and other interested parties.**

30. No response has been received from any producers /exporters or from any other interested parties.

F.2 Views of the Domestic Industry

31. The arguments of the domestic industry with regard to injury are summarized below:

(i) Imposition of anti-dumping duty has helped the domestic industry to improve its performance. Profitability of the domestic industry improved after imposition of duty and domestic industry started making marginal profits as compared to earlier significant losses. ROI and cash profit also followed the same trend that of profit. On the other hand market share of the domestic industry has declined despite increase in demand and production resulting in increase in inventory and the Capacity utilization is also remained more or less same. Landing price of imports is significantly below the net sales realization of the domestic industry. Thus it is evident that imposition of ADD helped the industry to revive its performance to some extent; but the situation of DI is still dilapidated as it has only started to improve and further protection is required to stabilize its positive growth.

(ii) Injury to the domestic industry is likely to recur in case present duty in force is revoked. The likely volumes and prices of imports from China subsequent to any repeal of measures would put the domestic industry at further risk.

Examination by the Authority

32. The Authority has taken note of various arguments raised by domestic industry in regard to injury. The Authority also notes that anti-dumping duty is in force against China PR. In its final determination in respect of China PR, the Authority has determined that import from subject country was at dumped prices. Therefore, for the purpose of injury and causal link analysis, the imports from subject country has been treated as dumped imports.

33. Article 3.1 of the ADA and Annexure II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products, with regard to the volume effect of the dumped imports. The authorities are required to examine whether there has been a significant increase in imports, either in absolute term or relative to production or consumption in the importing member. With regard to the price effect of the dumped imports, the authorities are required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in the importing country, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree, or prevent price increase, which would have otherwise occurred to a significant degree.

34. For the purpose of injury analysis the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any.

Volume Effect: Volume effect of dumped imports and impact on domestic industry:

35. The effects of volume of dumped imports from subject country have been examined as follows:

i) Import Volumes and share of the subject country:-

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI (April, 2006-Sep., 2007)	POI annualized
Imports						
China	MT	145.70	125.69	119.93	437.05	291.37
Trend	Indexed	100	86	82	300	200
Others	MT	85.48	161.24	69.14	328.69	219.13
Trend	Indexed	100	189	81	385	256

Total imports	MT	231.18	286.93	189.07	765.74	510.49
Trend	Indexed	100	124	82	331	221
Market share of subject country in total import volume						
China	%	63.03	43.80	63.43	57.08	57.08
Trend	Indexed	100	70	101	91	91
Others	%	36.97	56.20	36.57	42.92	42.92
Trend	Indexed	100	152	99	116	116

From the above data it is evident that due to imposition of Anti dumping Duty the imports from China PR has gone down from the base year till 2005-06 by increase substantially thereafter during Period of investigation. Similarly imports from other countries also increased substantially during the POI vis-a-vis the earlier period. However the market share of the subject country has remained more or less at same level through the injury period and the same slightly gone down during the POI vis-a-vis the preceding year. However, the market share of other countries has gone up during the POI vis-a-vis the preceding year.

36. Petitioner has given the transaction-wise data for import provided by IBIS. However, IBIS does not cover the all Custom port. The transaction-wise data provided by DGCI&S shows huge import volume (i.e. inclusive of other non-PUC items) as compared to IBIS. Moreover, the CIF value worked out as per DGCI&S data is abnormally low. Thus, in this investigation, transaction-wise data provided by IBIS has been relied upon for analysis. Information provided by IBIS shows that imports from the subject country from base year to POI increased by 100%. There are imports from other countries also. Import from china command 57% share in the total import during POI. The Authority notes that the domestic industry has been affected due to imports during POI and previous years.

ii) Demand, Output and Market shares:-

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI annualized
Imports - Subject Country	MT	145.70	125.69	119.93	437.05	291.37
Imports - Other Countries	MT	85.48	161.24	69.14	328.69	219.13
Sales of Domestic industry	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	97	98	160	107
Sales of Other Indian Producers	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	199	219	329	220
Demand	MT	***	***	***	***	***
Trend		100	115	110	222	148
Share of domestic industry and Import in demand						
Subject Country	%	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	75	75	135	135
Other country	%	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	163	74	173	173
Domestic industry	%	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	84	90	75	75
Other Indian Producers	%	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	172	199	148	148

37. The demand of the subject goods has been calculated by addition of domestic sales including captive consumption of the domestic industry, sales of the other Indian producers and all imports from all countries.

38. It has been noted that the demand of the subject goods increased by ***% in POI as compared to base year. The market share of the domestic industry declined to ***% in POI. However, it is noted that the share of imports from subject country has increased from 13.63% in base year to 18.41% in the POI.

39. From the table given above it is evident that the demand of the subject goods has increased substantially during POI vis-à-vis the preceding year. Similarly the sales of domestic industry have also increased substantially during the POI vis-à-vis the preceding year. Further the share of subject country and other countries in demand has gone up substantially whereas, the share of domestic industry and other Indian producers has gone down substantially. Despite the imposition of Anti Dumping Duty on the subject country the imports have continued unabated.

40. Production of the Domestic Industry:-

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI annualized
Capacity	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	100	150	100
Production	Mt	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	103	97	167	111
Capacity Utilization	%	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	103	97	111	111

From the data given in the above table shows that the capacity of the domestic industry remains more or less at the same level during the entire injury period. However, as compared to base year, the production of the domestic industry

has increased by 11% during POI, although the same has not increased in the same ratio in which demand has increased. Demand of the product has gone up by 48% whereas production has increased by only 11%.

41. Sales of Domestic Industry:-

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI annualized
Sales	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	97	98	160	107

The data shows that the sales of the domestic industry have increased during POI by 11% as compared to base year. But, the same is much less compared to the increase in demand by 48

(B) Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

42. The impact on the prices of the domestic industry on account of dumped imports from the subject country has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the weighted average cost of production, weighted average Net Sales Realisation (NSR) and the Non-Injurious Price (NIP) of the domestic industry (worked out on the basis of the costing information of the domestic industry) have been compared with landed value of imports from the subject country. The landed value of imports has been calculated by taking imports Volume and value information provided by IBIS.

Price Undercutting

(Value in Rs./Kg)

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI annualized
Export price-Steel Tapes	Rs./kg	***	***	***	***	***
Export price-Fibre Tapes	Rs./kg	***	***	***	***	***

Landed price-Steel Tapes	Rs./kg	***	***	***	***	***
Landed price-Fibre Tapes	Rs./kg	***	***	***	***	***
Net sales realization - Steel	Rs./kg	***	***	***	***	***
Net sales realization - Fibre	Rs./kg	***	***	***	***	***
Cost of production -Steel Tapes	Rs./kg	***	***	***	***	***
Cost of production -Fibre Tapes	Rs./kg	***	***	***	***	***
Price undercutting - Steel Tapes	Rs./kg					***
Price undercutting - Fibre Tapes	Rs./kg					***
Price undercutting - Steel Tapes	%					***
Price undercutting - Fibre Tapes	%					***
Price undercutting range - Steel Tapes	%					225-275
Price undercutting range - Fibre Tapes	%					650-700

43. Price Underselling

POI (Value in Rs./Kg)

Net Sales Realisation - Steel Tapes	***
Net Sales Realisation - Fibre Tapes	***

Non Injurious Price - Steel Tapes	***
Non Injurious Price - Fibre Tapes	***
Landed Value - Steel	***
Landed Value - Fibre	***
Price Underselling - Steel	***
Price Underselling - Fibre	***
Price Underselling (%) - Steel	***
Price Underselling (%) - Fibre	***
Price Underselling range (%) - Steel	300-350
Price Underselling range (%) - Fibre	600-650

During the POI the landed value of imports from the subject country in respect of Steel Tapes was much lower than the net sales realization of the domestic industry. Therefore, the price undercutting during POI was much significant. Similarly, the price undercutting in respect of Fiber Glass tapes is much significant.

In determining the net sales realization of the domestic industry, the rebates, discounts and commission offered by the domestic industry and the Central Excise Duty have been adjusted.

The price suppression effect of the dumped imports has also been examined with reference to the cost of production, net sales realization and the landed values from the subject country.

The data on cost of production shows that cost of production has gone up marginally from base year to POI. The data on selling price shows that selling price has same trend as cost of production.

The price underselling is an important indicator of assessment of injury; thus, the Authority has worked out separate non-injurious price for the Steel Tapes and Fibre Glass Tapes and compared the same with the landed value to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been evaluated for the domestic producer by appropriately considering the cost of production for the product under consideration during the POI. The analysis shows that the landed value of the subject goods from subject country is much less than the non-injurious price determined for the domestic industry during the period of investigation.

Examination of other Economic Parameters relating to the Domestic Industry

44. Annexure II to the Rules requires that a determination of injury shall involve an object examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

45. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and major injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments in the earlier section, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analysed hereunder as follows:

46. Profits and Actual and Potential Effects on Cash Flow:-

The profit of the domestic industry has declined and became negative during 2004-05 due to massive dumping of the subject goods. Thereafter the profit has registered substantial increase during 2005-06 after imposition of Anti Dumping Duty. However, the profit shows a declining trend during the POI due to continued and substantial dumping of the subject goods.

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI annualized
Cost of Production	Rs./kg	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	106	100	100	100
Net selling price	Rs./kg	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	102	101	101	101
Profit /loss	Rs./kg	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	-806	382	363	363
Profit/loss before tax and interest	Rs./kg	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	-779	376	601	401

47. Employment and Wages:-

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI annualized
No of employees	No	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	86	98	99	99

Wages	Rs./Lakhs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	93	91	117	78
Wages paid per employee	Rs./Lakhs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	107	93	124	83
Wages per MT production	Rs/ kg	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	90	93	70	70

48. The Authority notes that the number of employees of domestic industry has been more or less same, there is no any significant change in employment level during POI as compared to base year. Similarly, wages paid to employees decreased by 17% as compared to base year. However, wages per unit of production has also decreased by 30% as compared to base year.

Productivity:-

49. The Authority notes that the production per employee has increased during POI as compared to base year.

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI annualized
Productivity	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	119	99	168	112

Inventories:-

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI annualized
-------------	------	---------	---------	---------	-----	----------------

Average Inventories	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	132	89	89	81
No. of days' sales in stock	Days/MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	136	90	80	73

50. The above table shows that average inventory as well as number of days' sales in stock has been decreased by 19% and 27% respectively during the POI as compared to the base year.

51. Return on Investment and Ability to Raise Capital

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI annualized
Net Fixed Assets	Rs./Lakhs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	79	96	95	63
Working Capital	Rs./Lakhs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	72	65	69	46
Capital Employed	Rs./Lakhs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	71	70	82	55
ROCE	%	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	-36	31	219	133

Return (PBIT) on capital employed became negative during 2004-05, however, remained positive afterwards till POI.

52. Growth

The growth in demand shows positive trend from base year to POI. The growth in production and sales were also positive. However, cost of production and selling price has remained almost at same level throughout the injury period. The profitability and return on investment show positive trend.

6. Other known factors

Volume and prices of imports from other sources

53. The Authority notes that Imports from other countries has increased substantially during 2004-05 compared to base year. The same has fallen drastically during 2005-06 and increased substantially during the POI. The CIF prices from the other countries are higher than that of imports from the subject country over the injury period.

54. Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

The subject goods are freely importable and there are no trade restrictive practices in the domestic market. Therefore, this factor could not have been reason to cause injury to the domestic industry

55. Contraction in demand, Development of technology and export performance

The Authority notes that the total demand of the subject goods has shown 48% growth during POI as compared to base year. However, technology or technology related issues have not been raised by any interested party as cause of injury to the domestic industry.

H. Causal Link

56. The submissions made by domestic industry in respect of the issue of causal link have been examined. A detailed examination was made with regards to the issues pertaining to the material injury to the domestic industry and causal link between the material injury to the domestic industry and dumped imports. Paragraph (v) of Annexure II of the Anti-dumping Rules reads as under:

"It must be demonstrated that the dumped imports are, through the effects of dumping, as set forth in paragraphs (ii) and (iv) above, causing injury to the domestic industry. The demonstration of a causal relationship between the dumped imports and the injury to the domestic industry shall be based on an examination of relevant evidence before the designated authority. The designated authority shall also examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, and the injury caused by these other factors must not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, inter alia, the volume and prices of imports not sold at dumping prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry."

The Authority notes that the imports from the subject country are substantial and at dumped prices. The petitioner has contented that the subject goods are being exported into India under various description and nomenclature and even diverting the same through other countries to avoid and evade the Anti Dumping Duty imposed on the subject goods. Although no conclusive evidence were produced to establish the above contention, no response were received from the exporters/other interested parties to the contrary as well. The Authority notes that the imports from the subject country at dumped prices continue to injure the domestic industry.

Vulnerability of the Domestic Industry

57. The Authority notes that the performance of the domestic industry had improved with the imposition of anti dumping duties. However, considering the present level of volume and value of imports, the constructed normal value of

the subject goods, the demand for the subject goods in the country and huge dumping margin, In the event of revocation of the anti dumping duty the domestic industry in all likelihood would once again be subjected to the recurrence of dumping and injury.

Significant price undercutting by imports with current measures

58. The Authority notes that imports from subject country are undercutting price of the domestic industry and would further undercut prices of domestic industry in case duty is revoked. There is a great likelihood of further injury to the domestic industry from dumped imports as the level of price difference between imported product and domestic industry's product is too significant.

Level of dumping margin

59. The Authority notes that the level of dumping margin is significant and above de-minimis.

I. Final Findings:

60. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority through the submission of interested parties or otherwise as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis of the state of current and likely dumping and injury and likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury, the Authority concludes that:

- i) The subject goods are entering the Indian market at dumped prices and dumping margins of the subject goods imported from China PR is substantial and above de-minimis.
- ii) The subject goods are likely to enter the Indian market at dumped prices and the likely dumping margins in respect of imports from China PR is substantial and above de-minimis.
- iii) The subject goods are likely to enter Indian market at dumped prices, should the present measures be withdrawn.

- (iv) Even though the performance of the domestic industry has improved with the imposition of anti dumping duties, considering the present level of volume and value of imports, the constructed normal value of the subject goods, the demand for the subject goods in the country and huge dumping margin, the situation of the Domestic Industry continues to be fragile and vulnerable and in the event of revocation of the anti dumping duty the domestic industry in all likelihood would once again be subjected to the recurrence of dumping and injury.

J. Indian industry's interest and other issues

61. The Authority recognises that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the product in India. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practice, prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. The Authority notes that the imposition of the anti dumping measures would not restrict imports from subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the products to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

62. The purpose of anti dumping duties', in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

K. Recommendations

63. Having concluded that the situation of the domestic industry continues to be fragile and vulnerable and there is likelihood of continuation or resumption of dumping and injury on account of imports from China PR if the duties are

revoked, the Authority is of the opinion that the measure is required to be extended in respect of imports from the subject country.

64. Having examined the current dumping and likelihood of dumping to be imminent in case of withdrawal of the current measure in place, the Authority recommends continued imposition of the Anti-Dumping Duty in place as recommended by the Authority vide Final Findings Notification No. 14/31/2002-DGAD Dated 1.9.2003 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-I, Section-I, and notified by the Central Government vide Notification No. 147/2003-Customs Dated 7.10.2003. However the Authority recommends change in the form of duty from reference price to definitive anti-dumping duty following the lesser duty rule and recommends that imposition of Definitive Anti Dumping Duty as set out below be imposed by the Central Government on all imports of subject goods under consideration falling under customs heading, 9017.8010 or 9017.90 00 originating in or exported from the subject country. The Anti-Dumping duty shall be the amount mentioned in column no.9 of the following table on all imports of measuring tapes, falling under chapter 90 of the Customs Tariff, originating or exported from the subject country mentioned below:-

Sl. No.	Customs heading	Description of goods	Material	Country of origin	Country of export	Any other country	Any other country	Duty amount	Unit of Measurement	Currency
1	9017.8010 or 9017.90 00	Measuring Tape	Steel tapes and parts and components thereof	Peoples Republic of China	Peoples Republic of China	Any	Any	4.19	Kg.	US\$
2	- do -	Measuring tape	Steel tapes and parts and components thereof	Peoples Republic of China	Any other than Peoples Republic of China	Any	Any	4.19	Kg.	US\$
3	- do -	Measuring Tape	Steel tapes and parts and components thereof	Any Country	Peoples Republic of China	Any	Any	4.19	Kg.	US\$
4	- do -	Measuring Tape	Fiberglass tapes and parts and components thereof	Peoples Republic of China	Peoples Republic of China	Any	Any	4.10	Kg.	US\$
5	- do -	Measuring Tape	Fiberglass tapes and parts and components thereof	Peoples Republic of China	Any other than Peoples Republic of China	Any	Any	4.10	Kg.	US\$
6	- do -	Measuring Tape	Fiberglass tapes and parts and components thereof	Any Country	Peoples Republic of China	Any	Any	4.10	Kg.	US\$

65. An appeal against the orders of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

R. GOPALAN, Designated Authority